विदेशी सेवा निरीक्षालय (इन्सपैक्टोरेट)

*१०६३. **श्री के० सी० सोधिया** : क्या प्रधान मंत्री ३ मई, १९५५ को दिये गये तारांकित प्रश्न संख्या २७२८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशी सेवा निरीक्षालय द्वारा की गई सिफारिशों पर सरकार द्वारा विचार किया गया है ;

(ख) यदि नहीं तो उन पर कब तक विचार हो जाने की सम्भावना है ; और

(ग) इस वर्ष किन किन राजदूतावासों और मिशनों के निरीक्षण का कार्य-क्रम बनाया गया है ?

वैदेशिक कार्य मंत्री के सभा सचिव (श्री सादत अली खां) : (क) और (ख). विदेश सेवा निरीक्षकों की दी गई सिफारिशों पर सरकार ने विचार कर लिया है और पिछले साल देखे गये दूतावासों में जकार्ता और मैदान में अफसरों और स्टाफ के लिये बदले गये विदेशी भत्तों की आज्ञा जारी कर दी गई है । कुछ दूसरे शासकीय मामलों, जैसे दैनिक भत्ता आदि पर भी हुक्म जारी कर दिये गये हैं । कुछ मामले अभी विचाराधीन हें ।

(ग) इस वर्ष अभी तक निरीक्षकों ने हांगकांग, पीकिंग, शंघाई, टोकियो; जकार्ता और मेंदान का दौरा किया है । उनका अगला प्रोग्राम अभी तक नहीं बनाया गया है ।

प्रशिक्षण संस्थाएं

*१०६४. **डा० सत्यवादी** : क्या उत्पादन मंत्री २ अगस्त, १९५५ को दिये गये तारांकित प्रश्न संख्या ३४४ के भाग (क) के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड पंजाब, पेप्सू और हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षण संस्.ाय खोलने का विचार कर रहा ह ;

(ख) यदि हां, तो किन स्थानों म; और

(ग) वे कब खोले जायेंगे ?

उत्पादन उपमंत्री (श्री सतीशचन्द्र) : (क) तथा (ख). अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड पंजाब के नीलोखेरी स्थान पर एक प्रशिक्षण केन्द्र खोलने का विचार कर रहा है । पेप्सू अथवा हिमाचल प्रदेश में इस समय कोई केन्द्र खोलने का विचार नहीं ।

(ग) पंजाब सरकार से इस कार्य के लिये ३० एकड़ भूमि मांगी गई है । भूमि मिलते ही इमारत बनाने का कार्य आरम्भ कर दिया जायेगा और उसके पूरा होते ही केन्द्र अपना कार्य शुरू कर देगा ।

Development of National Highways and Roads

535. **Shri Karni Singhji** : Will the Minister of **Planning** be pleased to refer to the reply given to unstarred question No. 158 on the 10th March, 1955 and state :

(a) whether the proposals for the development of National Highways and State Roads have since been received from the various State Governments; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra) : (a) The proposals for the development of National Highways and State Roads under the Second Plan have not been received so far from all the State Governments; and

(b) the question does not arise.

Second Five Year Plan

536. **Shri C. R. Narasimhan** : Will the Minister of **Planning** be pleased to state :

(a) whether Government have considered the possibilities of starting small-scale iron industries during the Second Five Year Plan, in places where unused iron-ores are in abundance; and

(b) whether Government's attention has been drawn to a paper published in the Quarterly Journal of Geological and Metallurgical Society of India, Volume XV, No. 1, dated March, 1943?

The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra) : (a) Yes, Sir. The establishment of small-scale iron plants involves the adoption of special techniques and a scheme for undertaking necessary investigations regarding the suitability of adopting such techniques has been approved.

(b) Yes, Sir.

External Publicity

537. **Shri D. C. Sharma** : Will the **Prime Minister** be pleased to state the amount spent by Government on External Publicity during the year 1954-55?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru) : The expenditure incurred on External Publicity in Posts abroad during 1954-55 was Rs. 46,61,586. This figure is however, subject to modification as a result of further adjustments to be made in the Supplementary Accounts for 1954-55.

Bhakra Nangal Project

538. **Shri D. C. Sharma** : Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state the extent of *banjar* land that will be irrigated by the Bhakra Nangal Project?

The Deputy Minister of Irrigation and Power (Shri Hathi) : The total *banjar* area which is to receive canal irrigation for the first time is 48,35,304 acres.

Displaced Persons in Rajasthan

539. **Shri D. C. Sharma** : Will the Minister of **Rehabilitation** be pleased to state :

(a) the total number of displaced persons in Rajasthan at present;

(b) the number of residential houses, tenements and shops constructed for them so far; and

(c) the number of these houses, tenements and shops lying unoccupied till the end of July, 1955?

The Minister of Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna) : (a) 3,12,742.

(b) 1592 one roomed tenements, 904 houses and 1079 shops and wooden cabins.

(c) 207 one roomed tenements, 212 houses and 50 shops. This information is upto 31-5-55.

Community Projects and N. E. S.

540. **Shri D. C. Sharma** : Will the Minister of **Planning** be pleased to state the total amount spent on the Community Projects and National Extension Blocks in Punjab during the year 1954-55?

The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra) : Rs. 159.28 lakhs.

Publications

541. **Shri Gidwani** : Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state:

(a) the number of journals published by the Publications Division at presen and their names ;

(b) the total cost incurred in publishing each one of them during the year 1953-54;

(c) the total income received from the sale-proceeds of each journal during the year 1953-54; and

(d) the measures that are proposed to be adopted to reduce the loss on each Journal?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. Keskar) : (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House. [*See* Appendix VI, annexure No. 47].

नेपाल में दुर्भिक्ष

५४२. **श्री विभूति मिश्र** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नेपाल में दुर्भिक्ष के कारण मार्च से मई १९५५ के बीच बहुत से नेपाली भारत आ गये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उन्हें सरकार द्वारा क्या सुविधायें दी गई हैं ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) और (ख). हमें खबर मिली है कि मार्च, अप्रैल और मई १९५५ में नेपाल के रहने वाले कुछ देहाती भारत में आये । इसके लिये कोई आंकड़े नहीं रखे गये हैं, क्योंकि नेपालियों को भारत में आने के लिये कोई रोक टोक नहीं है । उन्हें कोई खास सुविधायें नहीं दी गई हैं ।